प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013

विषय – हिन्दी (विशिष्ट)

कक्षा – दसवीं

सेट–बी

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

(i) तुलसीदास जी भक्तिकाल के.....धारा के कवि है।

(सगुण / निर्गुण)

(ii) आधुनिकता.....का विरोध करती है।

(जाति / संप्रदाय)

(iii) बेटियां.....कामनाएं है।

(पावन / अपावन)

(iv) द्वन्द्व समास में.....पद प्रधान होते है।

(दोनों / तीनों)

(v) संचारी भावों की संख्या.....मानी गई है।

(33 / 11)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :–

(अ) खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है –

(क) कामायनी (ख) प्रियप्रवास

(ग) साकेत (ग) रामचरित मानस

(ब) फणीश्वरनाथ रेणु कृत मैला आंचल है –

(क) कहानी (ख) उपन्यास

(ग) यात्रावृतांत (घ) संस्मरण

(स) कुछ लोग बड़े निर्दोष होते है –

(क) सत्यवादी (ख) अहिंसावादी

(ग) मिथ्यावादी (घ) हिंसावादी

(द) अत्यावश्यक का संधि विच्छेद होगा –

(क) अत्य+आवश्यक (ख) अत्या+आवश्यक

(ग) अति+आवश्यक (घ) इनमें से कोई नहीं।

(इ) दोहे में मात्राएं होती है –

(क) 16 (ख) 24

(ग) 26 (घ) 28

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' के लिए स्तंभ 'ब' से चुनकर सही जोड़ी बनाइये–

1. सूरदास – गेहूं और गुलाब

2.	शल्य यंत्रों की संख्या	–	अनुप्रास अलंकार
3.	तरनि तनूजा तह तमाल बहु छाए	–	अपठित
4.	रामवृक्ष बेनीपुरी	–	सूर सारावली
5.	जो पढ़ा हुआ न हो	–	101

प्रश्न 4. निम्नलिखित वाक्यों में सत्य/असत्य बताइये –

1. नागार्जुन प्रगतिशील कवि है।
2. मैं और मेरा देश आचार्य हजारी प्रसाद का निबंध है।
3. आमरण अव्ययी समास का उदाहरण है।
4. उल्लाला एक मात्रिक छंद है।
5. निंदा का उद्‌गम ही हीनता और कमजोरी से होता है।

प्रश्न 5. निम्न प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिए

1. किसका स्पर्श जड़ में भी स्फूर्ति पैदा करता है?
2. देश के सौंदर्य बोध के आघात से किसको गहरी चोट पहुंच रही है?
3. हवा से तेज चलने वाला कौन है?
4. गागर में सागर भरना मुहावरें का क्या अर्थ है?
5. रसों की संख्या कितनी होती है?

प्रश्न 6. अवगुणों पर ध्यान न देने के लिए सूरदास ने किससे प्रार्थना की है?

अथवा

श्रद्धा का गायन किस प्रकार का है?

प्रश्न 7. बच्चे के रेशमी कोमल बालों को कवि अपनी हथेलियों से क्यों स्पर्श नहीं करना चाहता?

अथवा

भारतेन्दु जी के अनुसार भारत की दुर्दशा का प्रमुख कारण क्या है?

प्रश्न 8. कवि ने हिमालय की झीलों में किसे तैरते हुए देखा है?

अथवा

भ्रामरी किसका अभिनन्दन करती है?

प्रश्न 9. साधु किस चीज को बताने से परहेज करता है?

अथवा

कवि के अनुसार रूकने का क्या तात्पर्य है?

प्रश्न 10. कवि की आंखे उनीदी से क्या तात्पर्य है? लिखिए।

अथवा

बादलों के हटने पर तारे कैसे दिखलाई पड़ते है?

प्रश्न 11. मन को एकाग्र करने के बाह्य साधन क्या है?

अथवा

महाराणा लाखा ने कौन सी प्रतिज्ञा की थी?

प्रश्न 12. मनुष्य का सत्य स्वयं ही सारे प्रश्नों का निराकरण कब करता है?

अथवा

रामचरण ने किसानों को पुकारते हुए क्या कहा था?

प्रश्न 13. गुलाब किसका प्रतीक बन गया है?

अथवा

श्रीकृष्ण हस्तिनापुर क्यों गये थे?

प्रश्न 14. भगिनी निवेदिता एवं स्वामी विवेकानन्द की मुलाकात कब, कहां और कैसे हुई?

अथवा

माता श्री कुक्षि कब धन्यता प्राप्त करती है?

प्रश्न 15. रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते है?

अथवा

निम्नलिखित अनेक के लिये एक शब्द लिखिए।

1. जो व्यक्ति बिना पढ़ा लिखा हो।
2. आगे आने वाला समय।

प्रश्न 16. निम्नलिखित उदाहरण में कौन सा रस है नाम लिखकर स्पष्ट कीजिए।

जे नर माछी खात है, मूड़ा पूंछ समेत।
ते नर सरगै जात है, नाती पूत समेत।।

अथवा

महाकाव्य एवं खण्ड काव्य में कोई दो अंतर लिखिए।

प्रश्न 17. दीपक और मानव जीवन में क्या समानता है?

अथवा

कवि ने बेटियों को गौरव गाथाएं क्यों कहा है? लिखिए।

प्रश्न 18. छन्द किसे कहते है? छंद के कितने प्रकार है नाम लिखिए।

अथवा

रूपक अलंकार की परिभाषा देकर उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 19. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइये। कोई–तीन

1. नींद टूटना।
2. कमर कसना।
3. लोहा मानना।
4. ठेस लगना।

प्रश्न 20. छायावादी काव्य की कोई तीन विशेषताएं एवं छायावादी कोई दो कवियों के नाम लिखिए।

अथवा

रीतिकाल के नाम की सार्थकता समझाइये।

प्रश्न 21. नाटक और एकांक में कोई चार अंतर बताइये।

अथवा

रिपोर्ताज किसे कहते है? लिखिए।

प्रश्न 22. बिहारी या जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताएं निम्न बिंदुओं के आधार पर लिखिए।

1. दो रचनाएं
2. भाव पक्ष
3. कला पक्ष

प्रश्न 23. हजारी प्रसाद द्विवेदी या पं. रामनारायण उपाध्याय का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए।

1. दो रचनाएँ
2. भाषा शैली

प्रश्न 24. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :–

ऊंचै कुल क्या जनमियां, जे करणी ऊंच न होइ।
सोवन कलस सुरै भर्‌या, साधू निंदा सोइ।।
तखर तास बिलंबिए, बारह माल फलंत।
सीतल छाया गहर फल, पंखी केलि करंत।।

अथवा

वर दंतकी पंगति कुंदकली अपराधर पल्लव खोलन की।
चपला चमकैं घन बीच जगैं छवि मोतिन माल अमोलन की।।
घुंघरारि लहैं लटकैं मुख ऊपर कुंडल लोल कपोलन की।
नेवछावरि प्रान करै तुलसी बलि जाउं लला इन बोलन की।।

प्रश्न 25. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिएः–

कृष्ण भारत वर्ष के लिए एक अमूल्य निधि है, वे हमारी राष्ट्रीय संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि है। जिस प्रकार पूर्व और पश्चिम के समुद्रों के बीच प्रदेश को व्याप्त करके गिरिराज हिमालय पृथ्वी के मानदण्ड की तरह स्थित है, उसी प्रकार ब्रम्हधर्म और क्षात्रधर्म इन दो मार्यादाओं के बीच की उच्चता को व्याप्त करके श्रीकृष्ण चरित्रपूर्ण मानवी विकास के मानदण्ड की तरह स्थित है।

अथवा

लेकिन मनुष्यों का वह बूढ़ा जौहरी आड़ में बैठा देख रहा था कि इन बगुलों में हंस कहां छिपा है।

प्रश्न 26. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

जिस मनुष्य का जिस पर स्नेह रहता है, वह उसकी अनुपस्थिति में चिंतित हो उठता है और उसके संबंध में तरह–तरह की आशंकाएं और भय करने लगता है। प्रियजन का बाहर जाना तो क्या यदि वह घर के ही उद्यान में या घर के ही आंगन में आंखों से परे हो जाये तो मन में चिंता हो जाती है कि पता नहीं

उस पर क्या मुसीबत आ पड़ी है जो अभी तक लौट कर नहीं आया। वास्तव में प्रेम ऐसी वस्तु है, जो बहुत कातर है। उसमें धीरज नहीं, समझ नहीं, केवल आकुलता और अनिष्ट शंका ही घर किये रहती है। प्रेम में यह कमजोरी विशेष रूप से अखरती है। प्रेम अशांत ही रहता है।

प्रश्न 1. अनुपस्थिति शब्द का संधि विच्छेद कीजिए।

2. उपरोक्त गद्यांश का सटीक शीर्षक लिखिए।

3. उपरोक्त गद्यांश का सारांश 30–40 शब्दों में लिखिए।

4. वास्तव में प्रेम क्या है?

5. उद्यान का एक पर्यायवाची शब्द लिखिए।

प्रश्न 27. इंदौर नगर पालिका के अध्यक्ष के पास एक शिकायती पत्र लिखिए जिसमें मोहल्ले में सफाई न होने के संबंध मे शिकायत हो।

अथवा

समाचार पत्र पढ़ने की उपयोगिता बताते हुए छोटे भाई को एक पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्न लिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए?

1. स्वतंत्र भारत में नारी का स्थान
2. आतंकवाद से जूझता भारत
3. स्वदेश प्रेम
4. जीवन में खेलों का महत्व
5. प्रदूषण की समस्या और निदान

(ब) शेष बचे निबंधों में से किसी एक निबंध की रूपरेखा तैयार कीजिए।

– – – – – –

आदर्श उत्तर

हिन्दी विशिष्ट

कक्षा–X

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. सगुण
2. संप्रदाय
3. पावन
4. दोनों
5. 33

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन :–

1. कामायनी
2. उपन्यास
3. मिथ्यावादी
4. अति+आवश्यक
5. 24

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सही जोडियां –

1.	सूरदास	–	सूर सारावली
2.	शल्य यंत्रों की संख्या	–	101
3.	तरनि तनूजा तह तमाल बहु छाए	–	अनुप्रास अलंकार
4.	रामवृक्ष बेनीपुरी	–	गेहूं और गुलाब

5. जो पढ़ा हुआ न हो – अपठित

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सत्य/असत्य का चयन –

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) सत्य

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. श्रद्धा का स्पर्श जड़ में भी स्फूर्ति पैदा करता है।
2. देश के सौंदर्य बोध के आघात से देश की संस्कृति को गहरी चोट पहुंच रही है।
3. हवा से तेज चलने वाला मन है।
4. कम शब्दों में अधिक कहना मुहावरे का अर्थ।
5. रसों की संख्या नौ होती है।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. अवगुणों पर ध्यान न देने के लिए सूरदास ने ईश्वर से प्रार्थना की है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

श्रद्धा का गायन स्वर मधुकरी की तरह का है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. क्योंकि उसके हाथ कार्य करने के कारण कठोर हो गये है जबकि बच्चे के रेशमी बाल अत्यंत कोमल होते है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत की दुर्दशा का कारण बैर भाव, आपस में फूट तथा निज की उन्नति करना है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. कवि ने हिमालय की झीलों में तैरते हंसों का देखा है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जिसके सिर पर रक्त चंदन का तिलक है। भ्रामरी उसका अभिनन्दन करती है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. साधु से कभी उसकी जाति नहीं पूछना चाहिए क्योंकि वह उसे बताना आवश्यक नहीं मानता।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

चलना जीवन है और रूकना मृत्य का संकेत है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. कवि मानव को सोये हुए से जाग्रत अवस्था मे ंलाने का प्रयास कर रहा है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

उज्जवल तारे चंद्रमाके प्रकाश में झिलमिलाते हुए से दिखलाई पड़ते है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. यम–नियम, आसन प्राणायाम आदि मन को एकाग्र करने में सहायता करते है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

महाराणा लाखा ने प्रतिज्ञा की, कि ''जब तक बूंदी के दुर्ग पर ससैन्य प्रवेश नहीं करूंगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूंगा।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. जीवन में सत्य के मार्ग पर चलने वालों के सारे प्रश्नों का निराकरण स्वयं ही हो जाता है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रामचरण ने किसानों को पुकारते हुए कहा – यह देखों ये भैय्या बाजरे को आदमी समझ रहे है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. श्रीकृष्ण हस्तिनापुर कुरूक्षेत्र में स्नान करने के लिए गये थे।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. स्वामी विवेकानन्द एवं भगिनी निवेदिता सन 1893 में शिकागो के एक विश्व धर्म सम्मेलन में मिले थे। जहां वे अपने एक मित्र के आग्रह पर आये थे।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

माता पृथ्वी अपनी कुक्षि की धन्यता और अनुभूति के साथ हम सबको आर्शीवाद प्रदान करती है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद है।

1. साधारण वाक्य
2. मिश्र वाक्य
3. संयुक्त वाक्य

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. अनपढ़।
2. भविष्य।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. दी गई पंक्तियों में घृणा का संचार हो रहा है। अतः यहां वीभत्स रस है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. महाकाव्य में संपूर्ण जीवन का चित्रण होता है। जबकि खण्ड काव्य में खण्ड जीवन का चित्रण होता है।
2. महाकाव्य का आकार दीर्घ होता है परंतु खण्ड काव्य का आकार लघु होता है।

3. महाकाव्य में उद्रान्त शिल्प होता है, परंतु खण्डकाव्य में उदान्नता अनिवार्य नहीं है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. दीपक और मानव जीवन दोनों ही एक दूसरे के पूरक है। दीपक परोपकार हेतु इस धरती के जन–जन के लिए स्वयं जलकर प्रकाश देता हे, स्वयं को समर्पित करता है, उसी प्रकार मनुष्य अपने आत्मबल से देश और समाज की रक्षा करता है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बेटियां त्याग, तप, गुण धर्म तथा साहस की गौरव गाथाएं है, क्योंकि वे ही मुस्कुरा कर सभी का दुख दर्द दूर करती है। कष्टों को हंसकर सह लेती है। हमेशा सत्य का मार्ग अपनाती है। अपने दुख का दूसरों को आभास तक नहीं होने देती।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. मात्रा या वर्ण की गणना या क्रम के आधार पर जहां काव्य रचना होती है, वह रचना छंद कहलाती है।

छंद चार प्रकार के होते है।

1. मात्रिक छंद।
2. वार्णिक छंद।
3. वार्णिक वृत।
4. मुक्त छंद।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जहां उपमेय में उपमान का आरोप होता है अर्थात उपमेय और उपमान का भेद समाप्त हो जाता है वहां रूपक अलंकार होता है।

उदाहरण – चरण कमल बन्दौ हरि राई।।

इस उदाहरण में चरण उपमेय पर कमल उपमान का आरोप होने के कारण रूपक अलंकार है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. मुहावरें –

1. नींद टूटना – होश में आना।

   प्रयोग– मेरी नींद तब टूटी जब सब कुछ नष्ट हो गया था।

2. कमर कसना – कार्य के लिये प्रस्तुत होना।

   प्रयोग– मैंने आखिर अपने कार्य के लिए कमर कस ली।

3. लोहा मानना – श्रेष्ठ समझना।

   प्रयोग– अकबर ने राणा प्रताप का लोहा मान लिया।

4. ठेस लगना – दुखद अनुभव होना।

   प्रयोग– उसके व्यवहार से मेरे ह्रदय को बहुत ठेस लगी।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. छायावाद की विशेषताएं –

1. स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह ही छायावाद है।
2. आशा, निराशा, पीड़ा, अवसाद और व्यक्तिपरता की प्रधानता।
3. स्वछंद कल्पना।
4. लाक्षणिक प्रयोग।
5. प्रकृति का मानवीकरण।

कवि– जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रीतिकाल के नाम की सार्थकता – रीति का सामान्य अर्थ शैली है। विशिष्ट पद रचना को रीति कहते है। किन्तु रीति का अर्थ काव्य शास्त्रीय लक्षणों से है। रस, अलंकार, छंद, नायिका भेद संबंधी काव्य लक्षणों के कारण इसका नाम रीतिकाल पड़ा।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. नाटक एवं एकांकी में अंतर –

क्र.	नाटक	एकांकी
1	नाटक में अनेक अंक होते है।	एकांकी में एक अंक होता है।
2	नाटक में अधिकारिक कथा के साथ–साथ सहायक गौण कथाएं भी होती है।	एकांकी में एक ही कथा और घटना होती है।
3	नाटक में चरित्र का क्रमशः विकास दर्शाया जाता है।	एकांकी में पात्रों की क्रियाकलापों और चरित्रों का संयोजन इस रूप में होता है कि एकांकी होते हुए भी उसके व्यक्तित्व का समूचा बिम्ब मिल जाए।
4	नाटक के कथानक में फैलाव और विस्तार होता है।	एकांकी के कथानक में ही घनत्व रहता है।

अथवा

रिपोर्ताज एक नवीन गद्य विधा है। जिसका अर्थ है रोचक और भावात्मक चित्रण। तत्काल घटी घटना का अंतरंग अनुभव के साथ किया गया वर्णन रिपोर्ताज कहलाता है। किसी सत्य घटना का यथातथ्य वर्णन करते हुए भी उसमें कथात्मक सरसता और रोचकता का समावेश रिपोर्ताज है।

उपरोक्तानुसार लिखन पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. कवि परिचय – बिहारी

1. **रचनाएं :–** बिहारी सतसई, 719 दोहे।
2. **भाव पक्ष :–** बहुमुखी प्रतिभा संपन्न कवि बिहारी मुख्यतः श्रंगार रस के कवि है। श्रंगार रस के दोहे के अतिरिक्त बिहारी ने भक्तिपरक, नीतिपरक, ज्योतिष, वैराग्य दर्शन, प्रकृति चित्रण, नख–शिख वर्णन, ऋतु वर्णन, नायिका, भेद आदि विषयों पर बड़े भावपूर्ण एवं प्रभावोत्पादक दोहे की रचना की।
3. **कला पक्ष :–** बिहारी के एक–एक दोहे में अपनी शब्द प्रतिभा से, अभिव्यंजना एवं लाक्षणिक प्रयोग से नायक–नायिका के भावों के ऐसे शब्द चित्रण प्रस्तुत किये है कि चमत्कृत रह जाना पड़ता है।

रचनाएं 2 अंक, भाव पक्ष 1 अंक, कला पक्ष 1 अंक, कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवि परिचय – जय शंकर प्रसाद

1. **रचनाएं :–** कामायनी, आंसू, लहर, झरना, चन्द्रगुप्त, स्कन्द गुप्त, अजातशत्रु।
2. **भाव पक्ष :–** प्रसाद जी की कविता प्रेम सौन्दर्य और करूणा की त्रिवेणी है। आपने विराट सत्ता की रहस्यमता का अपूर्व अंकन किया है प्रकृति के प्रति अनुराग से परिपूर्ण प्रसाद के काव्य में प्रकृति के अनेक अद्भुत चित्र अंकित

है। प्रकृति सौन्दर्य में प्रसाद जी प्रकृति के कण–कण में जगती के प्रत्येक स्पन्दन में एक रहस्यमयी सत्ता का आभाव पाते है।

3. **कला पक्ष :–** प्रसाद जी की भाषा व्याकरण सम्पन्न परिष्कृत एवं परिमार्थिक खड़ी बोली होने के साथ सरल एवं सुगम है। परंपरागत अलंकार, मानवीकरण विशेषण उपमा, रूपक उपेक्षा आदि विशिष्ट भंगिमा में इनके काव्य में प्रयुक्त हुए है।

रचनाएं 2 अंक, भाव पक्ष 1 अंक, कला पक्ष 1 अंक, कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. साहित्यिक परिचय– **हजारी प्रसाद द्विवेदी**

1. **रचनाएंः–** बाण भट्ट की आत्मकथा, चारू चन्द्र लेखा, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा, अशोक के फूल, कुटज, विचार और वितर्क, आलोक पर्व।
2. **भाषा शैलीः–** द्विवेदी जी की भाषा संस्कृत निष्ठ खड़ी बोली है। इसमें सरलता, गंभीरता विनोद प्रियता और विद्वता का अभूतपूर्ण समन्वय देखने को मिलता है। आप छोटे–छोटे सरल वाक्यों में गंभीर बात कह जाते है। आपके निबंधों में भारतीय साहित्य, संस्कृति एवं परंपरागत ज्ञान विज्ञान के साथ आधुनिक युग की विभिन्न परिस्थितियों, समस्याओं का सुन्दर समन्वय दिखाई पड़ता है।

रचनाएं 2 अंक, भाषा शैली 2 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पं. रामनारायण उपाध्याय –

रचनाएं :– कुंकम–कलश और आम्रपल्लव, हम तो बाबूल तोरे बाग की चिड़िया, कथाओं की अन्तर्कथाएं, चतुर चिड़िया तथा निमाड़ का लोक साहित्य और उसका इतिहास।

भाषा शैली :– आपकी रचनाओं में खड़ी बोली हिन्दी का प्रयोग किया है। भाषा सहज, सरल, प्रवाहमय, प्रांजल और बोधगम्य है। चरित्र चित्रण एवं संवाद गतिशील और आकर्षण है। आपके साहित्य में संपूर्ण निमाड़ी लोक साहित्य का

समग्र मखन तो है ही, ललित निबंध, व्यंग्य, रूपक, संस्मरण, रिपोर्ताज और गांधी साहित्य इत्यादी का वैविध्य है।

रचनाएं 2 अंक, भाषा शैली 2 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. पद्यांश की व्याख्या

संदर्भ :– प्रस्तुत साखियां हमारी पाठ्य पुस्तक के पाठ 'कबीर की साखियां' से उद्धृत की गई है। इसके कवि श्री कबीरदास जी है।

प्रसंग :– पहली साखी में कवि ने ईश्वर से अनुनय की है। दूसरी साखी में वृक्षों की महत्ता प्रतिपादित की है।

व्याख्या :– कबीर कहते है कि उच्च कुल में जन्म लेने से कोई भी व्यक्ति उत्तम नहीं हो जाता, यदि उसके कर्म ऊंचे न हे वह स्वर्णकलश में भरी हुई मदिरा की तरह निन्दनीय है। साधु व्यक्ति के स्वर्ण कलश में जल के स्थान पर मदिरा भरी रहती है, जो अनुपयोगी है, उसी प्रकार जो भी साधु की निंदा करता है, वह कर्महीन व्यक्ति की तरह विनाश को प्राप्त रहता है।

कबीरदास जी कहते है कि मनुष्य यदि वृक्ष लगाता है उस पर फल लगने लगते है। वह पूर्णतः विकसित होने पर बारह मास फल देताहै। वह पर्याप्त शीतलता प्रदान करता है। उसके आश्रय में पक्षी आनंद का अनुभव करता है। अतः मानव व पक्षी सभी के जीवन में वृक्ष का महत्व है।

विशेष :– शांति रस, दोहा छंद, कर्म करने की प्रेरणा।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 अंक, विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पद्यांश की व्याख्या

संदर्भ :– प्रस्तुत सवैया तुलसीदास द्वारा रचित कवितावली से उदधृत किया गया है।

प्रसंग :– भगवान श्रीराम के मुख मण्डल के सौंदर्य की झांकी उपस्थित की है।

व्याख्या :– महाकवि तुलसीदास जी कहते है कि श्रीराम के श्वेत दांतों की पंक्तियां कमल के समान सुशोभित हो रही है। दोनों मधुर होंठ पत्ते के समान सुशोभित हो रहे है। ऐसा लगता है मानों बादलों के बीच बिजली चमक रही हो। उनके ह्रदय पर मोतियों की बहुमूल्य माला शोभायमान हो रही है। उनके घुंघराले बाल की लटें मुंह पर लटक रही थी। कानों में सुंदर कुण्डल पहने थे जिससे कपोलों के सौन्दर्य में वृद्धि हो रही थी।

विशेष :– माधुर्य गुण, सवैया छंद, मुखमण्डल का सौंदर्य।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 2 अंक, विशेष 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 25. गद्यांश की व्याख्या

संदर्भ :– प्रस्तुत अवतरण हमारी पाठ्य पुस्तक के पाठ महापुरूष श्रीकृष्ण से उद्धृत की गई है। इसके लेखक श्री वासुदेव शरण अग्रवाल है।

प्रसंग :– भारतीय संस्कृति का कल्याण श्री कृष्ण की उपासना में ही निहित है इस भाव का निरूपण लेखक ने किया है।

व्याख्या :– भारत वर्ष की संस्कृति में ईश्वर के अवतारों का अत्यधिक महत्व है। भारतीय जनमानस आध्यात्मिक रूप से श्रीकृष्ण से जुड़ा है। हमारे देश भारत के लिए श्रीकृष्ण अनमोल रत्न है। विश्व के प्रमुख अवतारों में हमारे देश का प्रतिनिधित्व करते है। हमारे राष्ट्र की संस्कृति कृष्ण में ही निहित है। जिस प्रकार प्राचीन तथा पश्चिम दिशा में स्थित समुद्र के मध्य में पर्वतों में श्रेष्ठ हिमालय पर्वत वसुंधरा के मानदण्ड की तरह अचल है। जिस प्रकार सहस्त्रों वर्षों से हिमालय पर्वत अटल रूप में स्थित है। उसी प्रकार ईश्वरीय धर्म तथा क्षत्रिय धर्म इन दोनों की मर्यादाओं का निर्वाह करते हुए श्रीकृष्ण का जीवन चरित्र तो स्वयं ही एक काव्य है। मानवीय आत्मा के पूर्णतय विकास में हमें

आत्मिक विकास के हर रूप के प्रत्यक्ष दर्शन होते है। इसलिए उनका प्रभाव युग युगांतर तक व्याप्त है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 2 अंक, कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गद्यांश की व्याख्या –

संदर्भ :– प्रस्तुत पंक्तियां हामरी पाठय पुस्तक के पाठ परीक्षा से ली गई है। इसके लेखक मुंशी प्रेमचंद है।

प्रसंग :– दीवान सुजान सिंह उम्मीदवारों की परख किस प्रकार कर रहे है। इस भाव की अभिव्यक्ति की है।

व्याख्या :– सुजान सिंह दीवान पद से मुक्त होना चाहते है इसके लिए उन्हें नये उम्मीदवार की लताश थी। उम्मीदवारों के चालन–चलन, आत्मबल तथा व्यवहार की महीना भर तक परीक्षा ली जायेगी, उन सभी पर दीवान की पैनी दृष्टि है। जिस प्रकार रत्न की पहचान पारखी के ही द्वारा की जा सकती है उसी प्रकार इन दिखावा करने वालों के बीच सच्चे दीवान को ढूंढ रहे थे। बगुला और हंस दोनों का ही वर्ण सफेद होता है, नीर क्षीर विवेक के ही कारण हंस को पहचाना जा सकता है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 2 अंक, कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 26. अपठित गद्यांश

उत्तर 1. अनु+उपस्थिति

उत्तर 2. सनेहित मनुष्य या अन्य कोई।

उत्तर 3. मनुष्य अपने प्रियजन की अनुपस्थिति में चिंतित हो जाता है क्योंकि वह उससे स्नेह करता है। स्नेह वश ही उसे अपने

प्रियजन का बाहर जाना या आंखों से परे हो जाना खलने लगता है।

उत्तर 4. वास्तव में प्रेम ऐसी वस्तु है जो बहुत कातर है, उसमें न धीरज है न समझ व केवल आकुलता और अनष्टि शंका ही घर किए रहती है।

उत्तर 5. उद्यान का पर्यायवाची

बाग, बगीचा, उपवन, वाटिका।

1+1+1+1+1 कुल 5 अंक

उत्तर 27.

प्रति,

स्वास्थ्य अधिकारी जी,
इन्दौर नगर पालिका,
क्षेत्रीय कार्यालय इन्दौर।

मान्यवर,

मैं आपका ध्यान मुराई मोहल्ला की ओर दिलाना चाहता हूँ। इस मोहल्ले में आज कल गंदगी का साम्राज्य है। स्थान–स्थान पर कूड़े के ढेर लगे हुए है। नालियों में पानी सड़ रहा है। सड़क पर जगह–जगह गड्डे है जिनमें वाहन फंस जाते है और पैदल चलने वाले ठोकर खाकर गिर जाते है। चारों ओर बदबू, गंदगी और मक्खी–मच्छरों का राज्य है। ऐसे वातावरण में हैजा और मलेरिया का डर है। सफाई कर्मचारी अपने काम में लापरवाही दिखा रहे है।

आपसे अनुरोध है कि आप स्वयं इस क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करें और उचित कार्यवाही के लिए निर्देश दे।

भवदीय

सुजान सिंह
मुराई मोहल्लावासी इंदौर

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पत्र लेखन –

1915/डी सुदामा नगर

इन्दौर

दि. 25 जून 2012

प्रिय भाई देवेन्द्र,

मुझे तुम्हारा पत्र कल ही प्राप्त हुआ। तुमने लिखा ह कि आजकल क्या कर रहा हूँ। तो भाई मैं आजकल दिल दिमाग से समाचार पत्रों को पढ़ने में जुट गया हूँ। मैं हिंदी अंग्रेजी दोनों ही समाचार पत्रों को नियमित रूप से पढ़ रहा हूँ। मुझे इनसे बहुल लाभ मिल रहा है। इस विषय में बता रहा हूँ। भाई समाचार पत्र पढ़ने से लाभ ही लाभ है। देश विदेश की ही नहीं आस पड़ोस की पूरी खबर घर बैठे ही मिल जाती है यही नहीं विविध प्रकार के शब्द अर्थ और भावों प्रतिक्रियाओं का भी ज्ञान हो जाता है। समाचार पत्र में छपे समाचारों से अपनी स्थिति का पता लगता है इससे न केवल वर्तमान अपितु भूत और भविष्य

की भी रूपरेखा समझ में आ जाती है। अतएव समाचार पत्र की उपयोगिता नहीं भूलना चाहिए।

आशा है भाई, आप मेरे सुझावानुसार नियिमत रूप से समाचार पत्र पढ़कर लाभ उठाओंगे। मेरी ओर से माताजी–पिताजी को सादर चरण स्पर्श, लघु बंधुओं को शुभाशीर्वाद।

तुम्हारा भाई

राकेश

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 28. **(अ) निबंध लेखन–**

स्वतंत्र भारत में नारी का स्थान

'नारी की पूजा करो, नारी गुण की खान।
नारी से नर होत है, ध्रुव प्रहलाद समान।।

प्रस्तावना :– नारी सृष्टि की आधारशिला है। उसके बिना हर रचना अधूरी है। कला रंगहीन, अर्थहीन दिखाई देती है। नारी कभी पुरूष की माँ तो कभी प्रेमिका, सहचरी, अर्धांगिनी तो कभी सहयोगिनी व बहिन आदि विविध स्वरूपों द्वारा अपने महत्व का अवलोकन स्वयं कराती है। भारत की संस्कृति में नारियों को महिमामयी एवं गरिमामय स्थान प्राप्त रहा है।

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता''

अर्थात् जहां नारियां पूज्यनीय होती है वहां देवता रमण करते है। जिस तरह तार के बिना वीणा और धुरी के बिना रथ का पहिया बेकार होता है उसी तरह नारी के बिना मनुष्य का सामाजिक जीवन।

भारतीय ऋषियों ने नारी के महत्व को बहुत पहले जान लिया था। वैदिक काल में मनु ने यह घोषणा करके कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता निवास करते है। इस कारण प्रत्येक धार्मिक अनुष्ठान में नारी की उपस्थिति आवश्यक थी। समाज में कन्याओं को पुत्रों के बराबर अधिकार प्राप्त थे उनकी शिक्षा दीक्षा का समुचित प्रबंध था। वैदिक काल की मैत्रयी, गार्गी जैसी महान स्त्रियों की गणना उस काल के ऋषियों के साथ होती है।

मुस्लिम काल में नारी के सम्मान को विशेष धक्का लगा। वह मात्र भोग विलास की सामग्री बन गई और उसे पर्दे में रखा जाने लगा। उससे शिक्षा व स्वतंत्रता के सभी अधिकार छीन लिए गए। किन्तु इस काल में भी पद्मिनी, दुर्गावती, अहिल्याबाई, जोधा बाई सरीखी नारियों ने अपने बलिदान एवं योग्यता से भारतीय नारी का गौरव बढ़ाया।

भारतीय इतिहास की सारी उथल–पुथल के बाद भी भारतीय नारी में कुछ ऐसे गुण उनके चरित्र से जुड़े है जिसके कारण वह विश्व की नारियों से पूरी तरह अलग रही। आत्म बलिदान, सहनशीलता, लज्जा, नम्रता, और मर्यादा ये गुण भारतीय नारी को गौरवान्वित करते है।

वर्तमान समय में पश्चिमी सभ्यता के रंग में रंगती हुई भारतीय नारी तितली बन रही है। अपने परिवार के प्रति कर्तव्यों से दूर होती जा रही है। इसके परिणाम स्वरूप नारी का विघटन होने लगा है। जीवन का सुख समाप्त होने लगा है। नारी संतान व परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह पूर्णतः नहीं कर पा रही है। जिसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगे है।

नारी आर्थिक दृष्टि से स्वतंत्र हो शिक्षित हो, पुरूष की दासता से मुक्त हो, यह अच्छी बात है किन्तु स्वतंत्रता की अति न पुरूष के लिए शुभ है और न नारी के लिए। दोनों को एक दूसरे का सम्मान करते हुए परिवार और समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है।

आज विश्व युद्धों से भयभीत है। सर्वत्र अशांति है। ऐसे विषम समय में नारी में उन गुणों के विकास की जरूरत है जो उसे परम्पराओं से प्राप्त है।

जिसके चलते वह सभी का सुख चाहती है। क्योंकि वह नव निर्माण की शक्ति है जो मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाती है। नारी के सहयोग से पुरूष की सफलता दोगुनी बढ़ जाती है।

भारतीय नारी ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह प्रत्येक युग में किया है। वह अपने विशिष्ट गुणों के कारण आधुनिक युग में भी पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाए हर क्षेत्र में कार्य कर रही है। इसके जीवंत उदाहरण मदर टेरेसा, इन्दिरा गांधी, वछेन्द्री पाल, कल्पना चावला, किरण बेदी आदि अन्यान्य नारियों के रूप में हमारे चारो ओर विद्यमान है। फिर भी भारतीय नारी को प्रगति के अनेक सोपानों पर चढ़ने के लिए अभी भी अथक प्रयत्न करना है और अपने स्थान को कायम रखना है।

कुल 7 अंक प्राप्त होंगे।

(ब) रूपरेखा

जीवन में खेलों का महत्व

1. प्रस्तावना।
2. खेलों क विषय में प्राचीन दृष्टि कोण।
3. खेलों के विषय में नवीन दृष्टिकोण।
4. स्वामी विवेकानन्द का कथन।
5. खेलों के चुनाव की उपयुक्कता।
6. उपसंहार।

कुल 3 अंक

निर्देशः– निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – – –